

निम्नलिखित वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1X15=15

१) किससे प्रभावित होकर तुलसीदास जी श्रीकृष्ण- गीतावली की रचना की?

ख) सूरदास।

२) कृष्ण भक्ति की अजस्र धारा को प्रवाहित करने वाले भक्त कवियों में किसका नाम सर्वोपरि है?

घ) सूरदास।

३) सूरदास हिंदी साहित्य की किस शाखा से संपर्क रखते थे?

क) भक्तिकाल के सगुण भक्ति शाखा के कृष्ण भक्ति उपशाखा।

४) सूरदास के काव्य का क्या विषय था?

ख) कृष्णभक्ति।

५) सूरदास के काव्य में किसकी मौलिकता दर्शन होती है?

घ) श्रीमद्भागवत।

६) सूरदास अपनी रचनाओं में किस पक्ष को अधिक महत्वपूर्णता प्रदान किए हैं?

क) भावपक्ष।

७) निम्न में से सूरदास ने अपने 'भ्रमरगीत' में गोपियों और उद्भव के संवाद के माध्यम से किस भाव को व्यक्त नहीं किया है?

घ) वीर।

८) सूरदास ने लगभग कितने पदों की रचना किया था?

क) सवा लाख।

९) नागरी प्रचारिणी सभा, काशी की खोज तथा पुस्तकालय में सूरदास की सुरक्षित नामावली के आधार पर उनके ग्रंथों की संख्या कितनी मानी जाती है?

ग) 25।

१०) सूरदास के कितने ग्रंथ उपलब्ध हुए हैं?

ख) 3।

११) "देख तूही छींके पर भाजन ऊंचे धरि लटकायो।" कौन किसको कह रहा है?

ख) कृष्ण- यशोदा।

१२) श्री कृष्ण किसके हाथों को नन्हा कह रहा है?

क) स्वयं के।

१३) कान्हा अपने मुंह पर लगे किस चीज को मिटाता है?

ग) दही।

१४) किस वस्तु को फेंककर माता यशोदा अपने कान्हा के बाल सुलभ कारनामों को देखकर प्रसन्न होती है?

घ) छड़ी।

१५) 'डारि सांठि मुस्काई जसोदा, स्यामहिं कंठ लगायो।' प्रस्तुत पंक्ति के अनुसार माता यशोदा किसे गले से लगाती है?

क) कान्हा।

